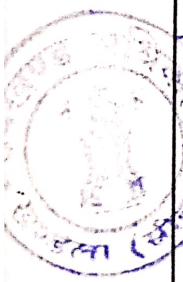


जा चुकि है अप्राप्ती सं० ३ के तहत पशुकार
है वास्तु में बहल T.I हेतु प्रिकम किया
२२-11-19 को फेअ हो

२२/11/19

पत्रावली वास्तु बहल फेअ हुई वकील
प्राप्ती हासिल / बहल हुनी गयी, दोराने बहल
वकील प्राप्ती ने कथन किया कि वाद ग्रस्त
भूमि ख० न० 1469 त 1474, 1476, 1477, कुल
किता - 8 कुल बरखा 5.95 है तब ग्राम दाणी
चौधरिगोवाली पथार हला बस्ती तहसील खण्डेला
जिला बकिर राजस्थान में 1/2 हिस्सा की खातेदारी
प्राप्ती व अप्राप्ती सं० 4 व भाग में
प्रतिवादी न० 5 त 7 के मृतक पिता कन्होमाल
के नाम दर्ज है व 1/2 हिस्से में है 197/297
हिस्से की खातेदारी वाले में प्रतिवादी सं० 8 त 10
के व 100/297 हिस्से की खातेदारी वाले में प्रतिवादी
सं० 10 के नाम से राजस्थान रिकार्ड में दर्ज है
वाद ग्रस्त भूमि प्राप्ती व अप्राप्ती सं० 4 की
शामलाली भूमि है प्रमाणिक बयाना गयी हुआ
है अप्राप्ती न० 1 के मन में कदनिपति आ गयी
है अनावश्यक खपत काश्त में अवरोध पैदा कर
रहा है प्राप्ती को अप्राप्ती न० 1 द्वारा हैशक परेशान
कर रखा है इतलिय अप्राप्ती सं० को ता दोराने



बाद जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना उचित है।

प्रतिवादी खण्ड / अपाथी खण्ड से मिलकर एक तरफ कार्यवाही आरम्भ में लगी जा चुकी है।

हमारे क्लर कलम पाली खुली गयी तथा उस पर धान प्रक के मक मिला गया / तथा राजस्व रिकार्ड का अपलोकेट किया गया / बाद ग्रस्त भूमि का तकासा नहीं हुआ है। अतः उपप पक्षकारान को ता दोशरी बाद पाबन्द किया जाना उचित समझते हैं।

अतः आदेश दिया जाता है :-

उभय पक्षकारान को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से ता दोशरी बाद पाबन्द किया जाता है कि बाद ग्रस्त भूमि खण्ड नं० 1469 ता 1474, 1476 व 1477 खण्ड 5-95 हैं ता राजस्व ग्राम डाली चौधरिगौवाली पक्का हल्का वस्ती के राजस्व रिकार्ड व मॉड्रे की प्रशासिक काल रखे, पतावली फाइल शुमार होकर नक्का ले कम हो। बाद तकनीक का जिले दफ्तर है।



22-11-19
(वेणुपति सिंह)
उपखण्ड अधिकारी
खण्डेल (सिकर)